

॥ श्रीहरिः ॥

आनन्दमय जीवन

[सुख, साहस, उत्साह और प्रफुल्लता-प्रेरक
शुभ विचार]



लेखक—

महेन्द्र, एम्० ए०, पी-एच० डी०